शुरू हुई देश की पहली लिथियम ग्रेड रिफाइनरी

- लोहम कंपनी की रिफाइनरी में 1000 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष ग्रेड लिथियम कार्बोनेट का उत्पादन
- ई-वेस्ट से निकलने वाले ब्लैक मास को रिसाइकिल कर उसमें से उत्सर्जित होगा लिथियम

लोहम कंपनी की लीथियम रिफाइनरी में रखा ब्लैक मास ● जागरण

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा की साइट पांच में लोहम कंपनी की देश की पहली लिथियम ग्रेड रिफाइनरी बुधवार को शुरू हुई। इसमें 1000 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष बैटरी ग्रेड लिथियम कार्बोनेट का उत्पादन होगा। 2029 में इसकी क्षमता 20 हजार टन हो जाएगी। इस लिथियम कार्बोनेट से लिथियम आयन बैटरी बन सकेगी। ई-वेस्ट से निकलने वाले ब्लैक मास को रिसाइकिल कर उसमें से लिथियम उत्सर्जित किया जाएगा। लोहम कंपनी वर्तमान में भारत में 90 प्रतिशत से अधिक लिथियम को रिफाइन कर रही है। यह सबसे अधिक है।

कंपनी के सीईओ व संस्थापक रजत वर्मा ने बताया कि कंपनी के रिसाइकिलिंग प्लांट में प्रतिवर्ष एक हजार टन लिथियम का उत्सर्जन होगा। 2029 तक इसका क्षमता 20 हजार टन हो जाएगी। दरअसल जनवरी 2025 में चीन ने लिथियम रिफाइनिंग की तकनीक के निर्यात के साथ ही प्रौद्योगिकी और उपकरणों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में लिथियम रिफाइनिंग में आत्मनिर्भर बनना ही एकमात्र विकल्प है। लिथियम रिफाइनिंग में आत्मनिर्भर बनने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ ही देश को वैश्विक महत्वपूर्ण खनिजों, ईवी और ऊर्जा संक्रमण बाजारों में प्रतिस्पर्धी बनाएगा। 2030 तक भारत में तीन लाख टन लिथियम आयन की खपत होगी।

इस जरूरत तो देश की विभिन्न कंपनियों की ओर से उत्सर्जित किए जाने वाले लिथियम से ही पूरा किया जा सकेगा। भारत सरकार की ओर से महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण, अनुसंधान व विकास के लिए 34 हजार करोड़ का बजट जारी किया गया है, जिससे बड़ी मदद मिल रही है।

अगले वर्ष तक लिथियम आयन बैटरी का भी शुरू होगा निर्माण : कंपनी के स्पेशल प्रोजेक्ट्स वाइस प्रेसिडेंट प्रत्यूष सिन्हा ने बताया कि रिफाइनरी में उत्सर्जित होने वाले लिथियम कार्बोनेट को फिलहाल निर्यात ही किया जाएगा। दरअसल वर्तमान में देश में लिथियम आयन बैटरी बनाने के लिए जरूरी कैथोड एक्टिव मटेरियल का उत्पादन नहीं होता है। ऐसे में चीन, ताइवान, दक्षिण कोरिया में निर्मित लिथियम आयन बैटरी आती हैं। अगले वर्ष तक कंपनी की ओर से दक्षिण भारत में कैथोड एक्टिव मैटेरियल का भी उत्पादन शुरू हो जाएगा, जिसके बाद लिथियम कार्बोनेट से लिथियम आयन बैटरी का भी निर्माण शुरू हो जाएगा।